Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 9th Geography

भारत

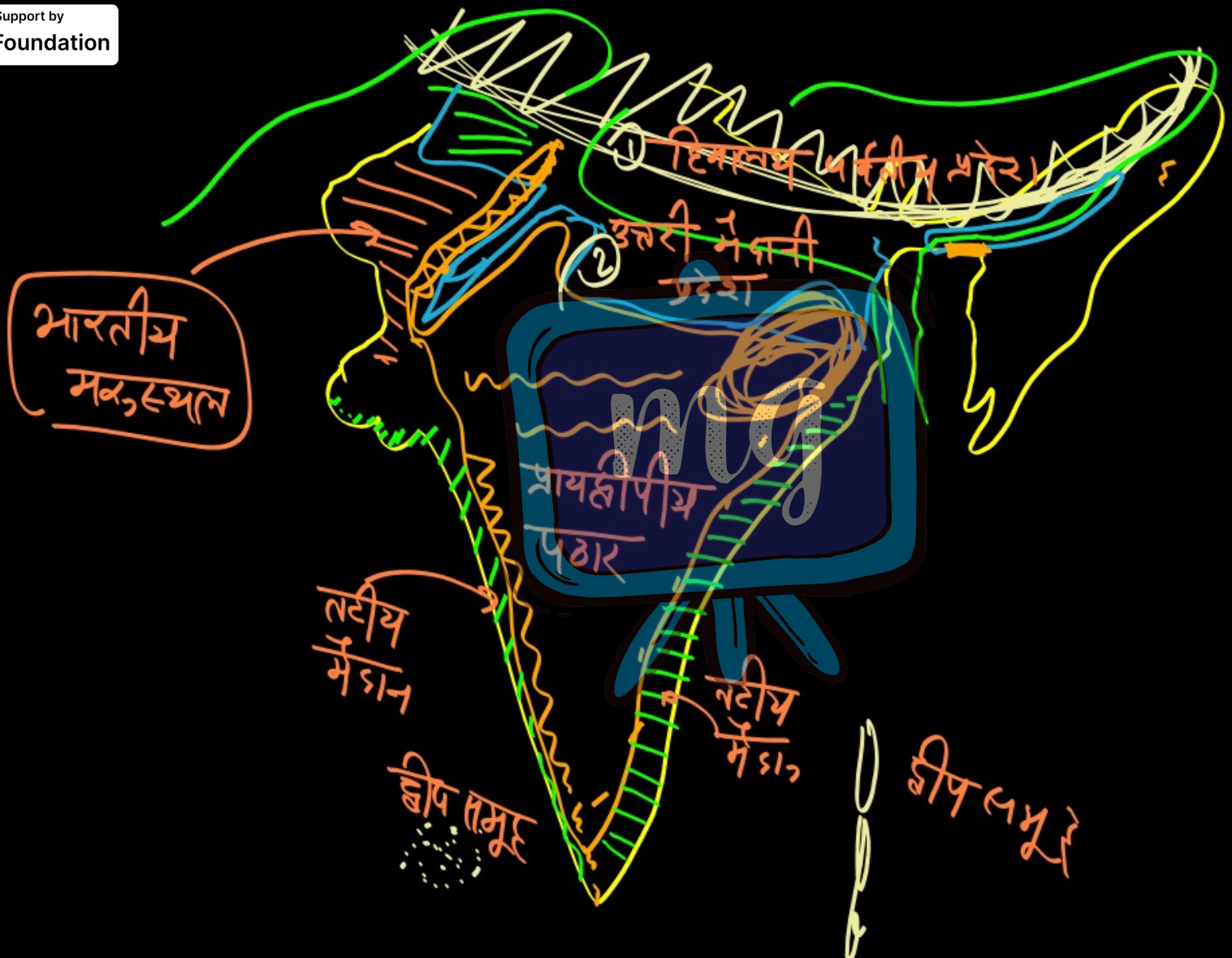
का भौतिक स्वरूप



RAPID REVISION

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हिमाचल हिमालय → दून → देहरादून, पारलीदून

महान् हिमालय श्रेणी → 6000 मी.
→ हिमाच्छादित
→ हिमालय की सबसे ऊँची श्रेणी

3700 - 4500 मी.

महाभारत श्रेणी
पीरपंजाल "
धौलाधर "

कुललू घाटी
मांगड़ा "
लाहौल - स्पीति

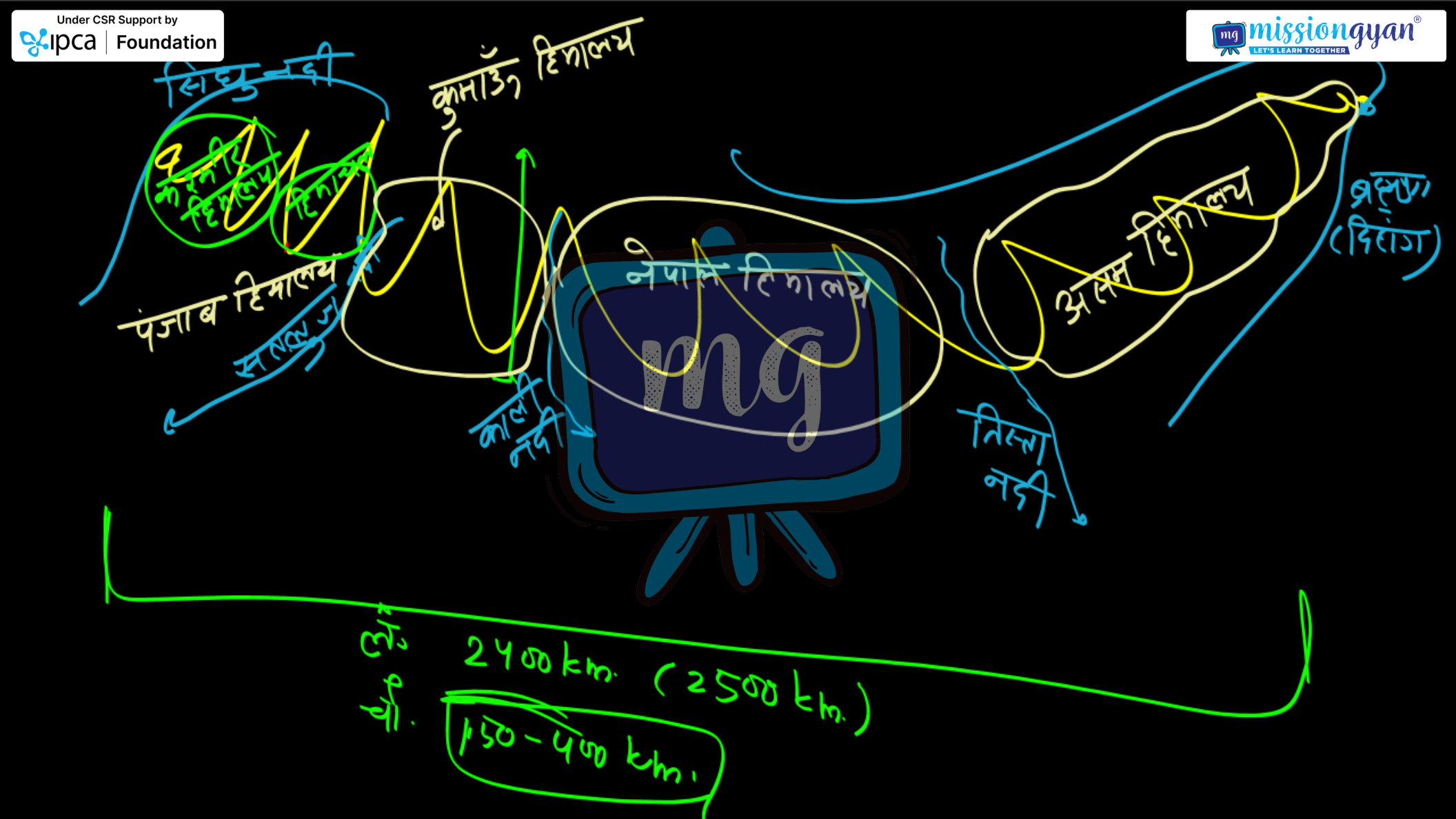
चौड़ाई ~ 50 km.

शिवालिक श्रेणी

ऊँचाई → 900 - 1100 मी.
घाटियाँ → बजरी व जलोढ़ के निक्षेप
चौड़ाई ~ 10-50 km.

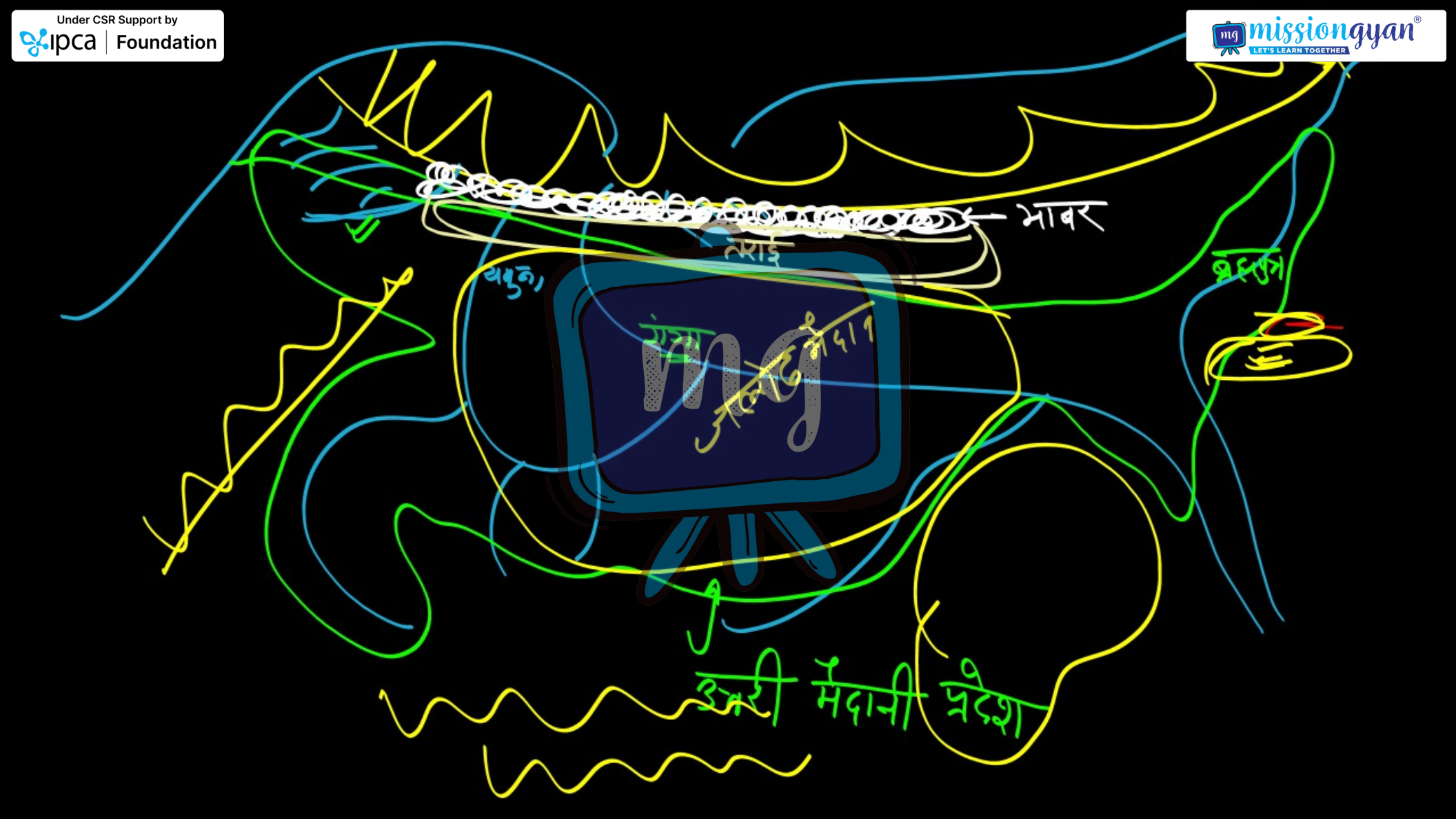
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

Q.1 भारत के पूर्वी भाग में म्यांमार की सीमा निर्धारित करने वाली पर्वत श्रेणियों का संयुक्त नाम क्या है?

म्यान्मार

A. हिमाचल

B. पूर्वांचल

C. उत्तराखंड

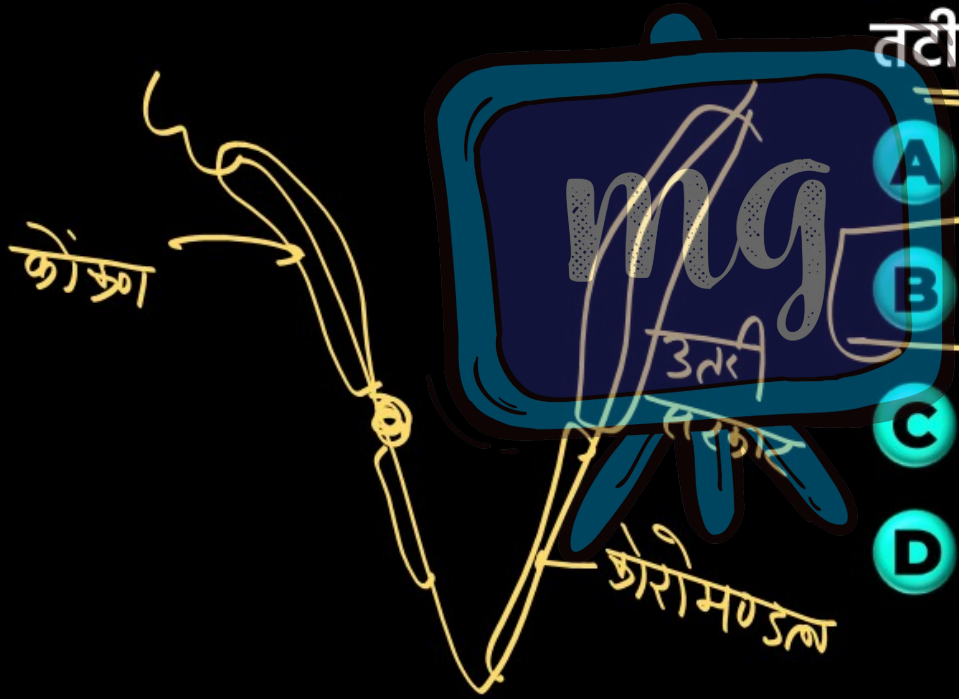
D. इनमें से कोई नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 गोवा के दक्षिण में स्थित पश्चिमी तटीय पट्टी कौन-सी है?



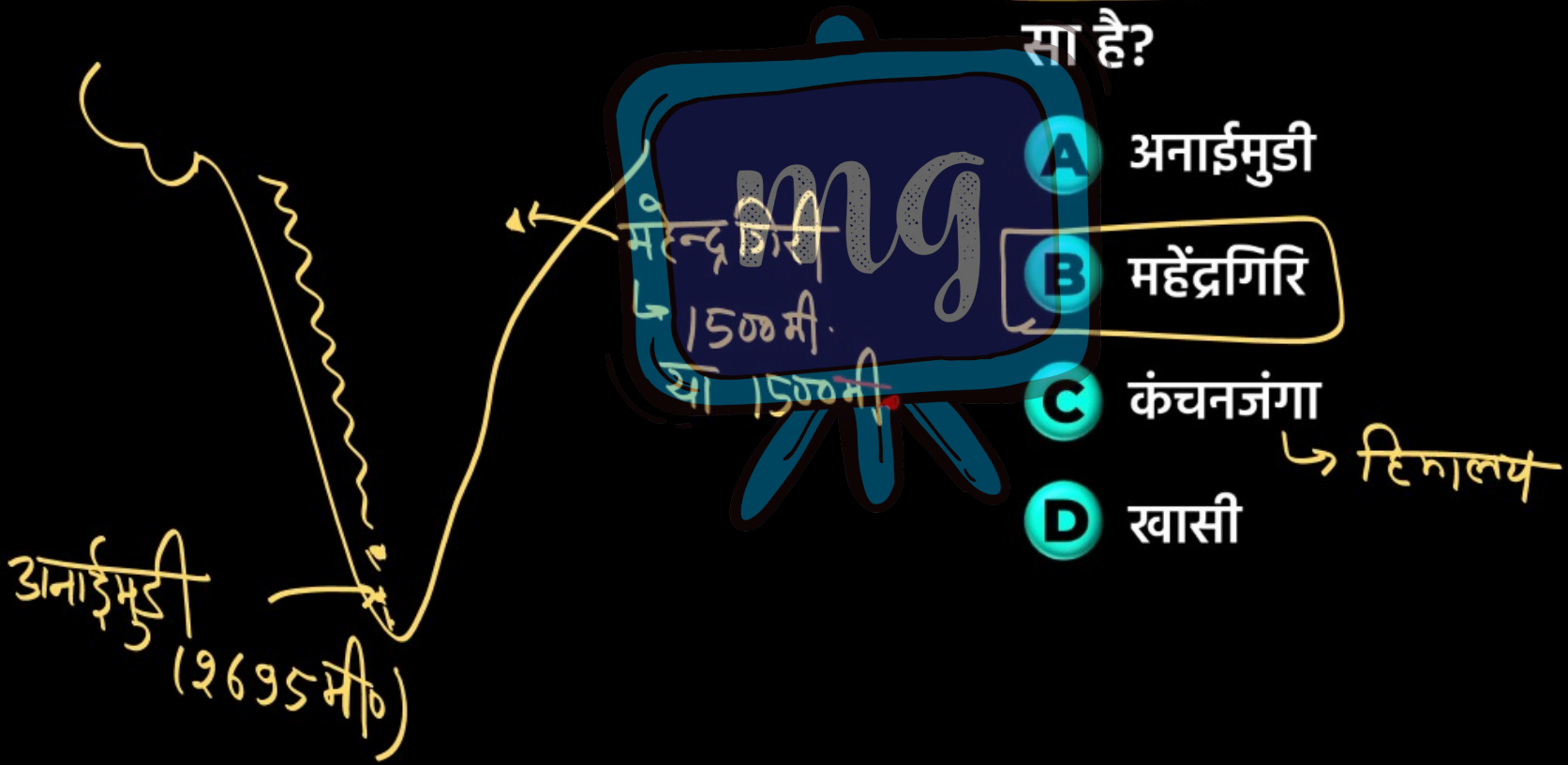
A. कोरोमंडल
B. कन्नड़
C. कोंकण
D. उत्तरी सरकार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 पूर्वी घाट का सर्वोच्च शिखर कौन-सा है?



A अनाईमुडी

B महेंद्रगिरि

C कंचनजंगा → हिमालय

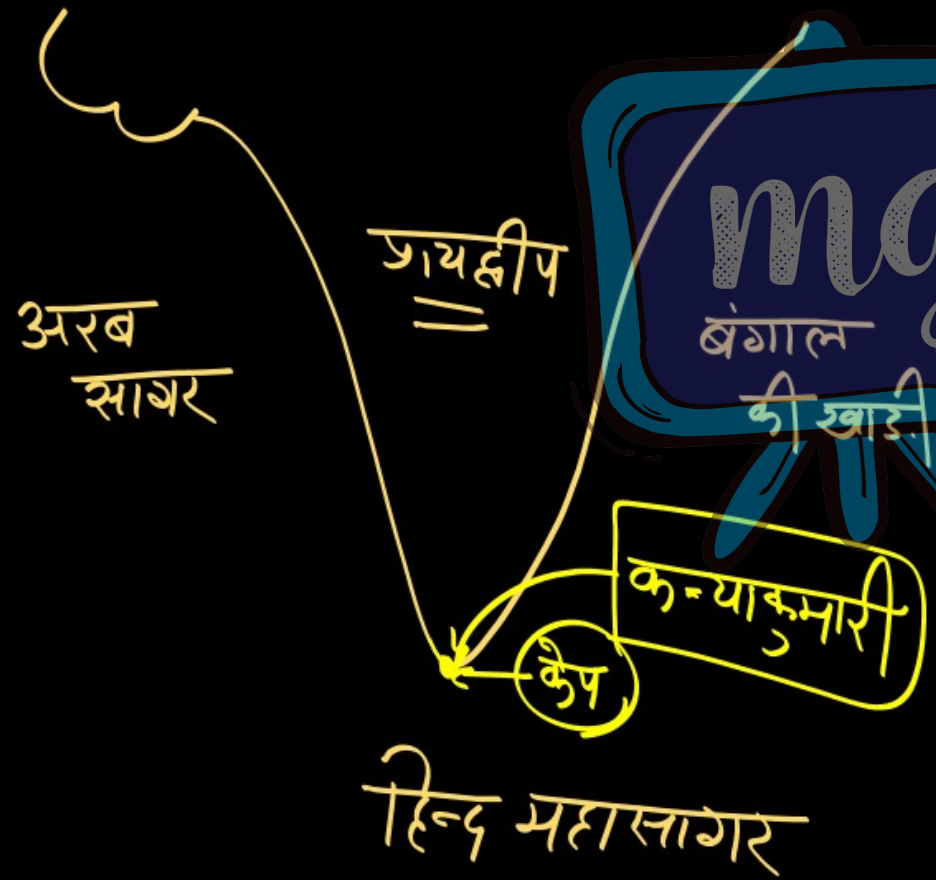
D खासी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 भारत में तीन ओर से समुद्र से घिरे स्थलखंड को क्या कहा जाता है?



A तट

B प्रायद्वीप

C द्वीप

D इनमें से कोई नहीं

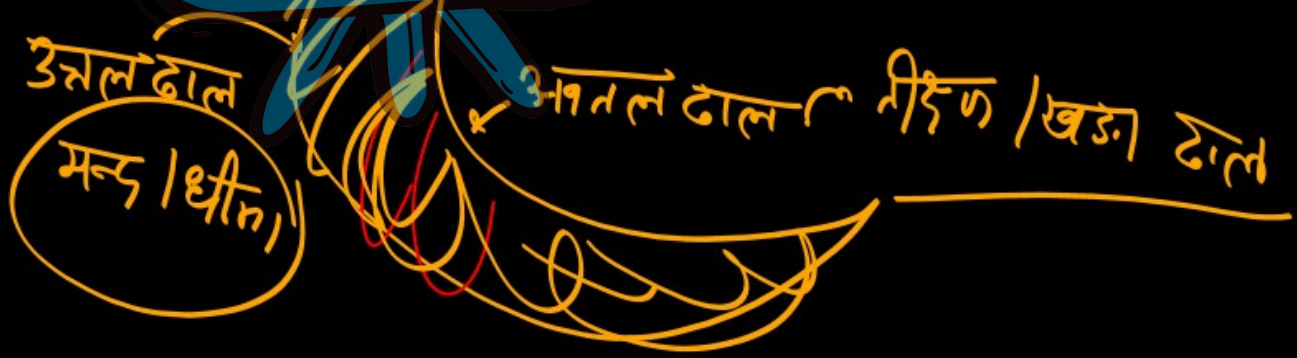
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का भौतिक स्वरूप

रिक्तस्थान-

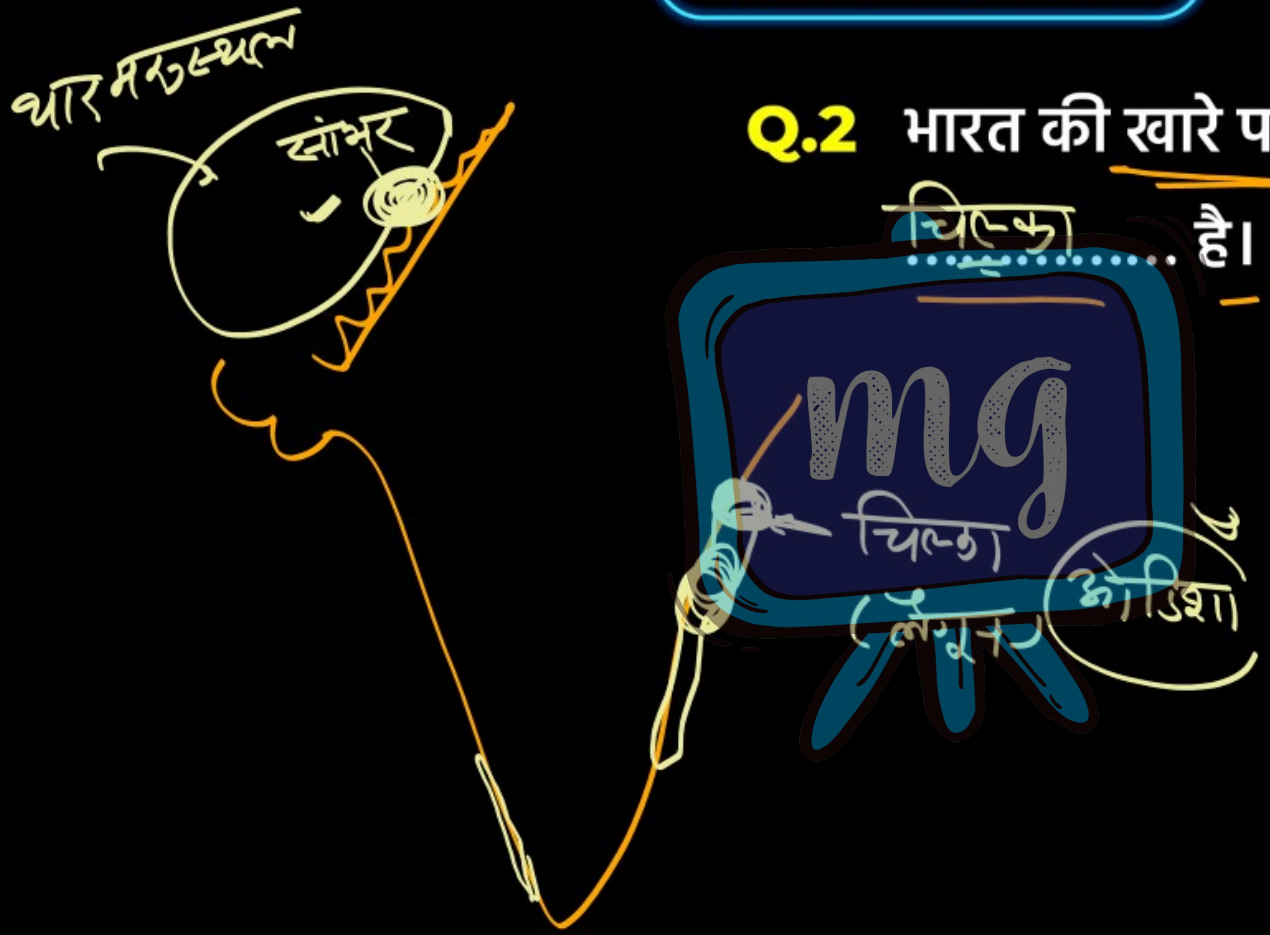
Q.1 अर्धचंद्राकार बालू के टीलों को ...बरखान... कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.2 भारत की खारे पानी की सबसे बड़ी झील चिल्का ..... है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 प्रवाल भित्तियों का विकास मुख्यतः उथला... और गर्म जल में होता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय ..... द्वीप है।

प्रवाल भीति

→ लगभग जीव (हरमाटाइपिक, प्रवाल पॉलिप्स)
→ कैल्शियम कार्बोनेट के निक्षेपण करते है।)

कवारती

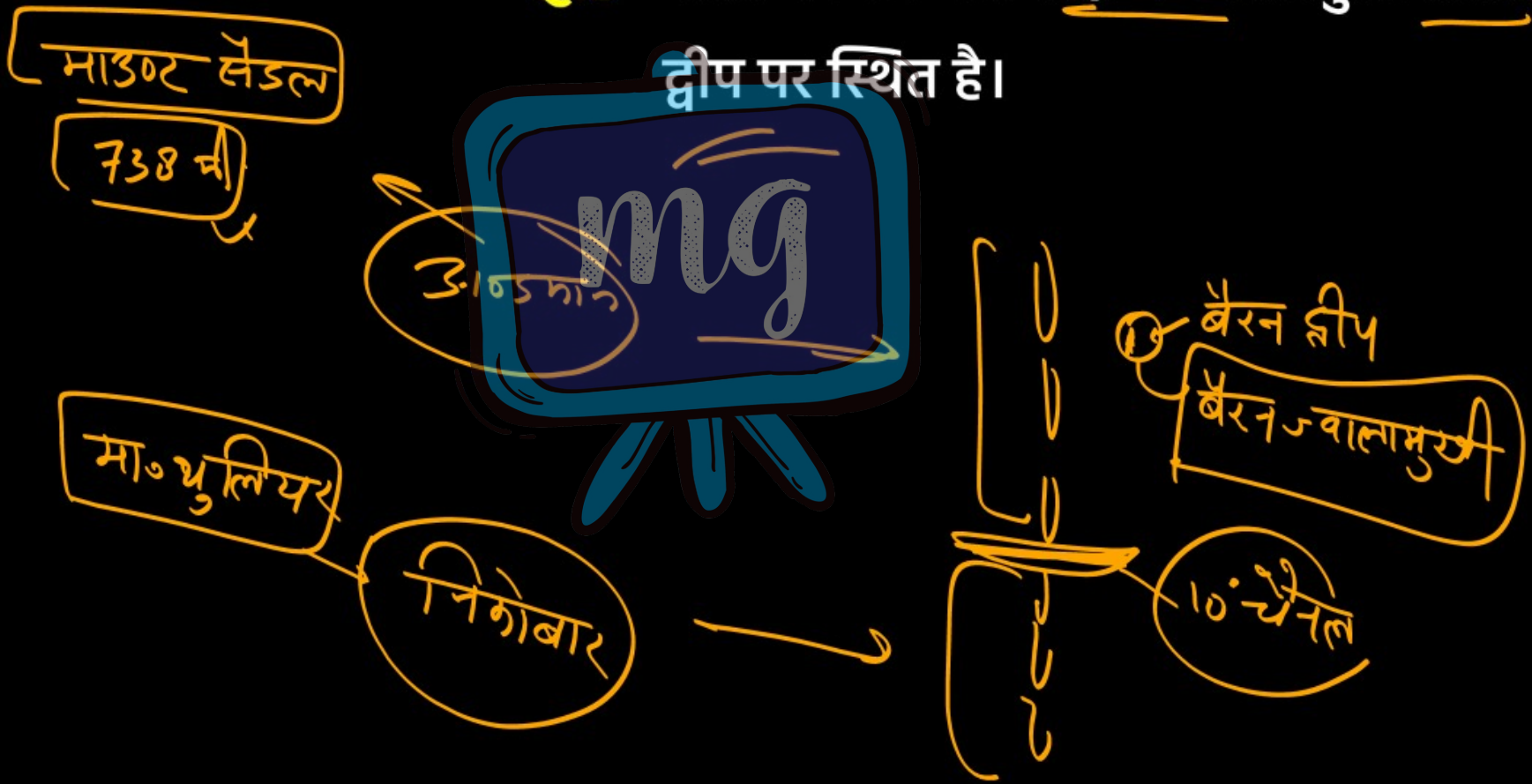


Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी .बैरन... द्वीप पर स्थित है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न-

Q.1 'भाबर' क्या है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 'भाबर' क्या है?

उत्तर :

शिवालिक की ढाल के नीचे नदियों द्वारा कंकड़-पत्थर जमा करने से बनी संकरी पट्टी भाबर कहलाती है। इसमें नदियाँ प्रायः लुप्त हो जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 'दोआब' का क्या अर्थ है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 'दोआब' का क्या अर्थ है?

उत्तर :

- दो नदियों के बीच स्थित भूभाग को दोआब कहते हैं।
- यह शब्द दो और आब से मिलकर बना है, जिसमें आब का अर्थ पानी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 वितरिकाएँ किसे कहते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 वितरिकाएँ किसे कहते हैं?

उत्तर :

नदी के निचले भाग में गाद जमा होने और ढाल कम होने से नदी कई धाराओं में बँट जाती है।

इन धाराओं को वितरिकाएँ कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

Q.4 प्रवाल पॉलीप्स क्या हैं?



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 प्रवाल पॉलीप्स क्या हैं?

उत्तर :

- प्रवाल पॉलीप्स कम समय तक जीवित रहने वाले सूक्ष्म प्राणी हैं, जो समूहों में रहते हैं।
- इनके द्वारा स्रावित कैल्शियम कार्बोनेट प्रवाल संरचनाओं के निर्माण में सहायक होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 'तराई' क्षेत्र की प्रमुख विशेषता क्या है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 'तराई' क्षेत्र की प्रमुख विशेषता क्या है?

उत्तर :

भाबर के दक्षिण में नदियाँ पुनः सतह पर आकर नम तथा दलदली क्षेत्र बनाती हैं।

घने जंगलों और वन्य प्राणियों से युक्त इस क्षेत्र को तराई कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 'भांगर' किसे कहते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 'भांगर' किसे कहते हैं?

उत्तर :

उत्तरी मैदान के पुराने जलोढ़ निक्षेपों से बने अपेक्षाकृत ऊँचे भाग को भांगर कहा जाता है।

इसकी मिट्टी में चूनेदार निक्षेप भी पाए जाते हैं।

कंकड़

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हिमालय की प्रमुख समानांतर पर्वत श्रेणियों का वर्णन कीजिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 हिमालय की प्रमुख समानांतर पर्वत श्रेणियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- हिमालय को उत्तर से दक्षिण की ओर तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया जाता है।
- सबसे उत्तरी श्रेणी महान या आंतरिक हिमालय है, जिसे हिमाद्रि भी कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इसके दक्षिण में स्थित श्रेणी को हिमाचल अथवा निम्न हिमालय कहा जाता है।
- सबसे बाहरी श्रेणी शिवालिक है।
- इन श्रेणियों के बीच अनेक घाटियाँ स्थित हैं।
- हिमालय की बनावट, ऊँचाई और संरचना में विविधता मिलती है।
- ये पर्वतीय श्रेणियाँ भारत के भौतिक स्वरूप का महत्त्वपूर्ण अंग हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 बांगड़ और खादर में अंतर स्पष्ट कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 बांगड़ और खादर में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- बांगड़ पुराने जलोढ़ निक्षेपों से बना ऊँचा भाग है, जो बाढ़ के मैदानों से ऊपर स्थित होता है।
- इसकी मिट्टी में चूनेदार कंकड़ पाए जाते हैं।
- इसके विपरीत खादर नए जलोढ़ निक्षेपों से बनता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ये निक्षेप बाढ़ के मैदानों में जमा होते हैं तथा लगभग प्रत्येक वर्ष इनका पुनर्निर्माण होता रहता है।
- इसी कारण खादर की मिट्टी अधिक उपजाऊ होती है और गहन कृषि के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट में अंतर बताइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट में अंतर बताइए।

उत्तर :

पश्चिमी घाट पश्चिमी तट के समानांतर स्थित हैं तथा अधिक ऊँचे और निरंतर हैं। इन्हें मुख्यतः दर्रों के माध्यम से पार किया जा सकता है। इनके पश्चिमी ढाल पर पर्वतीय वर्षा होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इसके विपरीत पूर्वी घाट अनियमित तथा खंडित हैं। बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों ने इन्हें काट दिया है। पूर्वी घाट की औसत ऊँचाई पश्चिमी घाट से कम है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 भारतीय मरुस्थल की जलवायु एवं जल-प्रवाह की विशेषताएँ लिखिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 भारतीय मरुस्थल की जलवायु एवं जल-प्रवाह की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :

अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में स्थित भारतीय मरुस्थल बालू के टीलों वाला तरंगित मैदान है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ वर्षा बहुत कम होती है और शुष्क जलवायु के कारण वनस्पति विरल है।
- वर्षा ऋतु में कुछ सरिताएँ दिखाई देती हैं, लेकिन जल की कमी के कारण वे समुद्र तक नहीं पहुँच पातीं।
- इस क्षेत्र में लूनी प्रमुख नदी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- बालू के अर्धचंद्राकार टीले व्यापक क्षेत्र में फैले हैं।
- मरुस्थलीय भूभाग की विशेषताएँ यहाँ की प्राकृतिक परिस्थितियों को स्पष्ट करती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.1 प्रायद्वीपीय पठार की भौतिक संरचना एवं प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 प्रायद्वीपीय पठार की भौतिक संरचना एवं प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- प्रायद्वीपीय पठार भारत का एक प्रमुख भौगोलिक विभाग है।
- यह मेज के आकार का स्थलभाग है, जिसका निर्माण प्राचीन क्रिस्टलीय, आग्नेय तथा रुपांतरित चट्टानों से हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- यह गोंडवाना भूमि के टूटने और अपवाह की प्रक्रियाओं से विकसित हुआ।
- इसकी प्राचीन भूगर्भीय संरचना इसे भारत के अन्य भौतिक विभागों से अलग बनाती है।
- इस पठारी क्षेत्र में चौड़ी और छिछली घाटियाँ तथा गोलाकार पहाड़ियाँ पाई जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इसे मुख्यतः मध्य उच्चभूमि और दक्कन के पठार में बाँटा जाता है।
- मध्य उच्चभूमि का विस्तार नर्मदा नदी के उत्तर में है।
- इसके आसपास विंध्य, सतपुड़ा तथा अरावली जैसी पर्वतीय श्रेणियाँ स्थित हैं।
- इसके पूर्वी विस्तार में बुंदेलखंड और बघेलखंड के क्षेत्र आते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- छोटा नागपुर पठार भी इस भूभाग की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है।
- दक्कन का पठार त्रिभुजाकार भूभाग है और नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है।
- इसके उत्तरी किनारे पर सतपुड़ा की श्रेणी मिलती है।
- इसके पूर्वी और पश्चिमी किनारों पर क्रमशः पूर्वी तथा पश्चिमी घाट स्थित हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- पठार के उत्तर-पूर्वी विस्तार में मेघालय, कार्बी आंगलोंग और उत्तर कछार पहाड़ियों के क्षेत्र सम्मिलित हैं।
- इस पठार की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता काली मिट्टी है, जिसे दक्कन ट्रैप भी कहा जाता है।
- इसका निर्माण ज्वालामुखीय चट्टानों के अपक्षय से हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ की भू-आकृतियाँ, चट्टानें और मिट्टी भारत की भौतिक विविधता को दर्शाती हैं।
- पठारी क्षेत्र खनिज संसाधनों का महत्त्वपूर्ण भंडार है तथा देश के औद्योगीकरण में इसकी विशेष भूमिका रही है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का भौतिक स्वरूप

Q.2 भारत के तटीय मैदानों की संरचना, विभाजन एवं महत्त्व समझाइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत के तटीय मैदानों की संरचना, विभाजन एवं महत्त्व समझाइए।

उत्तर :

- प्रायद्वीपीय पठार के किनारों पर संकरी तटीय पट्टियाँ विस्तृत हैं।
- ये पश्चिम में अरब सागर से लेकर पूर्व में बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- समुद्र तथा स्थलखंड के बीच स्थित ये मैदान भारत के भौतिक स्वरूप का महत्त्वपूर्ण भाग हैं।

पश्चिमी तटीय मैदान

- पश्चिमी तटीय मैदान पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच स्थित संकरा मैदान है।
- इसे तीन भागों में बाँटा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- उत्तरी भाग कोंकण तट कहलाता है, मध्य भाग कन्नड़ मैदान और दक्षिणी भाग मालाबार तट के नाम से जाना जाता है। इन भागों की भौगोलिक विशेषताओं में स्थानीय अंतर दिखाई देता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पूर्वी तटीय मैदान

- पूर्वी तटीय मैदान बंगाल की खाड़ी के साथ विस्तृत है।
- इसकी चौड़ाई अपेक्षाकृत अधिक है तथा इसकी सतह सामान्यतः समतल है।
- इसके उत्तरी भाग को उत्तरी सरकार और दक्षिणी भाग को कोरोमंडल तट कहा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी नदियाँ इस तट पर बड़े डेल्टा बनाती हैं।
- इन नदी निक्षेपों से तटीय भूभाग का निर्माण और विस्तार होता है।
- चिल्का झील पूर्वी तट का एक महत्त्वपूर्ण भौगोलिक लक्षण है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तटीय मैदानों का महत्त्व

- तटीय मैदान आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।
- समुद्र से निकटता के कारण ये मत्स्यन और पोत-संबंधी गतिविधियों के अनुकूल स्थान प्रदान करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ समुद्री संसाधनों का उपयोग तथा तटीय संपर्क संभव होता है।
- तटीय मैदानों की प्राकृतिक बनावट, नदियों के निक्षेप और समुद्र से उनका संबंध इन्हें भारत की भौगोलिक संरचना का विशिष्ट अंग बनाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 भारत के द्वीप समूहों का वर्णन कीजिए तथा उनके प्राकृतिक और सामरिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 भारत के द्वीप समूहों का वर्णन कीजिए तथा उनके प्राकृतिक और सामरिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।



उत्तर :

- भारत के मुख्य स्थलभाग के अतिरिक्त दो प्रमुख द्वीप समूह हैं।
- ये भारत के भौतिक स्वरूप में विशिष्ट स्थान रखते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- दोनों समूहों की भौगोलिक स्थिति, संरचना और प्राकृतिक विशेषताएँ अलग-अलग हैं।

लक्षद्वीप

- लक्षद्वीप अरब सागर में स्थित छोटे प्रवाल द्वीपों का समूह है।
- ये द्वीप प्रवाल संरचनाओं से बने हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ अनेक प्रकार के पादप और जंतु पाए जाते हैं।
- मिटली द्वीप पर मानव निवास नहीं है और वहाँ पक्षी अभयारण्य स्थित है।
- इस द्वीप समूह की प्राकृतिक विशेषताएँ समुद्री पर्यावरण से गहरा संबंध दर्शाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में विस्तृत है।
- इसका विस्तार उत्तर से दक्षिण की दिशा में है।
- इसे दो प्रमुख भागों में विभाजित किया जाता है–उत्तर में अंडमान और दक्षिण में निकोबार।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- यह माना जाता है कि ये द्वीप जलमग्न पर्वत श्रेणियों के शिखर हैं।
- यहाँ की जलवायु विषुवतीय है और द्वीप घने जंगलों से आच्छादित हैं।
- पादपों तथा जंतुओं में विविधता इस क्षेत्र की विशेषता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

द्वीप समूहों का प्राकृतिक और सामरिक महत्त्व

- इन द्वीप समूहों का महत्त्व केवल भौगोलिक नहीं है।
- इनकी स्थिति देश की सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है।
- समुद्री क्षेत्र में स्थित होने के कारण ये भारत की सामरिक स्थिति को सुदृढ़ बनाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भारत का भौतिक स्वरूप

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इनके प्राकृतिक संसाधन, वनस्पति, जीव-जंतु तथा समुद्री पर्यावरण इन्हें विशिष्ट पहचान देते हैं।
- इस प्रकार भारत के द्वीप समूह प्राकृतिक विविधता, समुद्री संसाधनों और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।